विद्यार्थियों में अनुसंधान अभिवृत्ति विकसित करने में विद्यालय प्रमुख की भूमिका

संदर्शिका

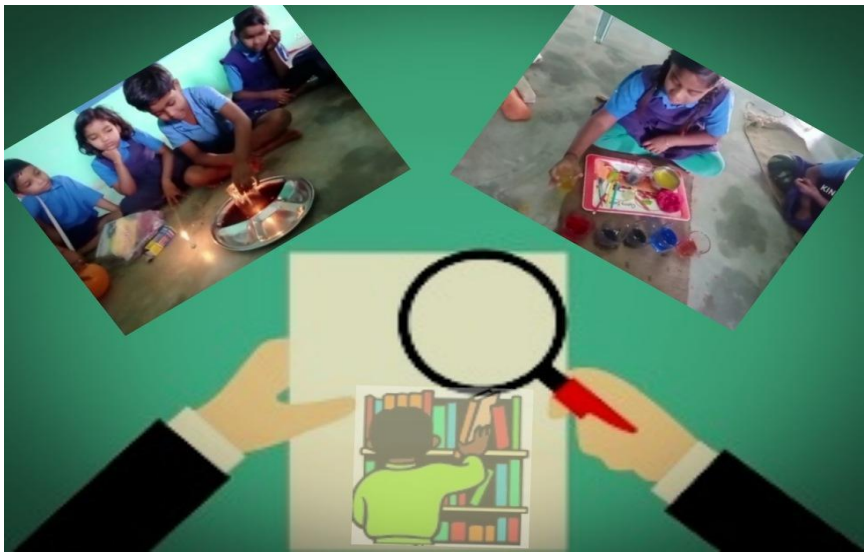

National Institute of Educational Planning and Administration (Deemed to be University)
National Centre for School Leadership

विद्यालय नेतृत्व अकादमी

राज्य शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़,

रायपुर –492007

संरक्षण एवं मार्गदर्शन

श्री राजेश सिंह राणा (आई.ए.एस.)

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

डॉ. योगेश शिवहरे

अतिरिक्त संचालक

एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

श्रीमती पुष्पा किस्पोट्टा

उपसंचालक

एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

एवं

प्राचार्य

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कोरबा

समन्वयन

श्री डी.दर्शन

नोडल अधिकारी स्कूल लीडरशीप अकादमी

एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

माड्यूल लेखन समन्वयन

श्री गौरव शर्मा

लेखक

भास्कर देवांगन

प्रधान पाठक

एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

विशेष आभार

डॉ.निशि भाम्बरी

संयुक्त संचालक

एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

श्री आनंद मसीह

प्रधान पाठक

विद्यार्थियों में अनुसंधान अभिवृत्ति विकसित करने में विद्यालय प्रमुख की भूमिका

- **भास्कर देवांगन**

प्रस्तावना

अनुसंधान ज्ञान, सृजन और नवाचार की नींव है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने और स्कूल में निरंतर सुधार में सुधारों में से एक शोध करना है। अनुसंधान न केवल अकादमिक, बल्कि जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अनुसंधान के माध्यम से, शिक्षार्थी विश्लेषणात्मक और महत्वपूर्ण सोच कौशल(analytical and critical thinking skills) के साथ-साथ प्रभावी संचार कौशल विकसित करते हैं जो वैश्विक क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों के बीच अनुसंधान संस्कृति को विकसित करने के लिए विद्यालयों में "रिसर्च इन्फ्यूज्ड" पाठ्यक्रम लागू किया जाना आवश्यक है।विद्यालय में अनुसंधान संस्कृति को विकसित करने में विद्यालय प्रमुख की महती भूमिका है जो स्वयं, अपने शिक्षकों और विद्यार्थियों को अनुसंधान की ओर प्रवृत्त और प्रेरित करता है|

अनुसंधान के प्रति विद्यार्थियों का झुकाव बनाने के लिए, साथ ही शिक्षकों में भी अनुसंधान प्रविति विकसित करने के लिए, विद्यालय प्रमुख एक ऐसी नई रणनीति तैयार कर सकते है जिससे अनुसंधान, विद्यार्थियों के लिए आनंददायक प्रक्रिया बने न कि उनके लिए बोझ। इसके अतिरिक्त, छात्रों को इसकी प्रासंगिकता का एहसास कराने के लिए शोध का शिक्षण वास्तविक जीवन के संदर्भ में स्थित होना चाहिए।

की वर्ड्स - अनुसंधान, अनुसंधान अभिवृत्ति, अनुसंधान संस्कृति, विद्यालय प्रमुख

उद्देश्य

1. विद्यालयों में अनुसंधान संस्कृति का विकास करना |
2. विद्यार्थियों में सकारात्मक अनुसंधान अभिवृत्ति का विकास करना |
3. विद्यालय में अनुसंधान संस्कृति विकसित करने के लिए रणनीति बनाना |
4. विद्यार्थियों को नए ज्ञान के सृजन के लिए प्रोत्साहित करना|
5. विद्यार्थियों में प्रयोग,खोज आधारित अधिगम,स्वयं करके सीखना की शैली का विकास करना|
6. अनुसन्धान के सन्दर्भों और चुनौतियों को केंद्र में रखकर विद्यालय विकास योजना बनाना

"**Change your thoughts and you change your world**."—(Norman Vincent Peale,author of The Power of Positive Thinking)

<u>अपने विचार साझा करें</u> -

- आप एक विद्यालय प्रमुख के साथ किस ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति को जोड़ते हैं? प्रत्येक शीर्षक के अंतर्गत कम से कम तीन विशेषताओं की सूची बनाएं|

परिचय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने, एक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज के विकास और राष्ट्रीय विकास को बढावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है। सबके लिए गुणवत्तापूर्ण,उच्च स्तरीय शिक्षा वह उचित माध्यम है, जिससे देश की समृद्ध प्रतिभा और संसाधनों का सर्वोत्तम विकास और संवर्धन व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व की भलाई के लिए किया जा सकता है। अगले दशक में भारत दुनिया का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश होगा और इन युवाओं को उच्च गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराने पर ही भारत का भविष्य निर्भर करेगा। रोज़गार और वैशिक पारिस्थितिकी में तीव्र गति से आ रहे परिवर्तनों की वजह से यह जरुरी हो गया है कि बच्चें, जो कुछ सिखाया जा रहा है, उसे तो सीखें ही और साथ ही वे सतत सीखते रहने की कला भी सीखें। इसलिए शिक्षा में विषयवस्तु को बढाने की जगह जोर इस बात पर अधिक होने की ज़रूरत है कि बच्चें समस्या-समाधान और तार्किक एवं रचनात्मक रूप से सोचना सीखें, विविध विषयों के बीच अंतसंबंधों को देख पायें, कुछ नया सोच पायें और नयी जानकारी को नए और बदलती परिस्थितियों या क्षेत्रों में उपयोग में ला पायें। जरूरत है कि शिक्षण प्रक्रिया शिक्षार्थी-केंद्रित हो, जिज्ञासा, खोज, अनुभव और संवाद के आधार पर संचालित हो, लचीली हो और समग्रता और समन्वित रूप से देखने-समझने में सक्षम बनाने वाली और, अवश्य ही, रुचिपूर्ण हो**। (NEP 2020)**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिचय में ही स्पष्ट कर दिया है कि अनुसंधान आधारित शिक्षा आज विद्यार्थियों के लिए कितना आवश्यक है| इस नीति ने कुछ प्रावधान दिए है जो अनुसंधान मूलक शिक्षा की आवश्यकता पर ज़ोर देता है -

- **4.5** पाठ्यक्रम की विषय -वस्तु को प्रत्येक विषय में कम करके इसे बेहद बुनियादी चीज़ों पर केन्द्रित किया जाएगा ताकि आलोचनात्मक चितन और समग्र, खोज-आधारित, चर्चा -आधारित और विश्लेषण-आधारित अधिगम पर ज़रूरी ध्यान दिया जा सकें। यह

विषय-वस्तु अब मुख्य अवधारणाओं, विचारों, अनुप्रयोगों और समस्या-समाधान पर केन्द्रित होगी। शिक्षण और सीखना अधिक संवादात्मक तरीके से संचालित होगा; सवाल पूछने को प्रोत्साहित किया जाएगा, और कक्षाओं में नियमित रूप से अधिक रुचिकर, रचनात्मक, सहयोगात्मक और खोजपूर्ण गतिविधियाँ होगी ताकि गहन और प्रायोगिक सीख सुनिश्चित किया जा सकें।

- **4.6** सभी चरणों में, प्रयोग आधारित अधिगम को अपनाया जाएगा, जिसमें अन्य चीज़ों के अलावा स्वयं करके सीखना और प्रत्येक विषय में कला और खेल को एकीकृत किया जाएगा, और कहानी-आधारित शिक्षण-शास्त्र को प्रत्येक विषय में एक मानक शिक्षण-शास्त्र के तौर पर देखा जाएगा। साथ ही विभिन्न विषयों के बीच संबंधों की खोज को प्रोत्साहित किया जाएगा|

17. नवीन राष्ट्रीय अनुसंधान फाउण्डेशन के माध्यम से सभी क्षेत्रों में गुणवत्तायुक्त अकादमिक अनुसंधान को उत्प्रेरित करना

- **17.1** एक बडी और जीवंत अर्थव्यवस्था को विकसित करने और बनाए रखने में ज्ञान सृजन और अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है जिससे समाज का उत्थान होता है और लगातार राष्ट्र को और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने में इससे प्रेरणा मिलती है
- **17.6** भारत में शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान और नवाचार, बहत महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से जो उच्चतर शिक्षा से जुडे हए हैं। पूरे इतिहास में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों से मिलने वाले साक्ष्यों से पता चिता है कि उ□तर शिक्षा के स्तर पर सवोत्तम शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाएं उस वातावरण में होती हैं जहा अनुसंधान और ज्ञान सृजन की एक मजबूत संस्कृति रही है|
- **17.8** अत: यह नीति भारत में अनुसंधान की गुणवत्ता और उनकी मात्रा को बदलने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को लागू करती है । नीति में स्कूली शिक्षा में निश्चित बदलाव शामिल हैं जैसे सीखने की खोज और खोज-आधारित शैली, वैज्ञानिक पद्धति और तार्किक चिंतन पर बल इनमें शामिल है।

अनुसंधान का अर्थ

अनुसंधान ज्ञान की नींव है जो कई विषयों में नवाचार को सक्षम बनाता है।

सामान्यतः किसी समस्या के समाधान की प्राप्ति के लिए अनुसंधान किया जाता है| अनुसंधान वह प्रक्रिया है जिसमें आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर किसी समस्या का विश्वसनीय समाधान ज्ञात किया जाता है|

अनुसंधान एक व्यवस्थित और सुनियोजित प्रक्रिया है जिसके द्वारा ज्ञान में वृद्धि की जाती है तथा मानव जीवन को सुगम एवं प्रभावी बनाया जाता है|

अनुसंधान प्रक्रिया में निम्नलिखित चरण होते है-

1. समस्या का चयन
2. सूचनाओं की खोज
3. परिकल्पना का प्रतिपादन
4. अनुसंधान की रूपरेखा
5. आंकड़ों का संकलन
6. आंकड़ों का विश्लेषण
7. सामान्यीकरण तथा निष्कर्ष निकलना

अनुसंधान अभिवृत्ति का अर्थ

अभिवृत्ति से तात्पर्य व्यक्ति के उस दृष्टिकोण से है जो किसी व्यक्ति, वस्तु, संस्था तथा स्थिति के प्रति किसी विशेष प्रकार के व्यवहार को इंगित करता है।

"अभिवृत्ति" एक सामाजिक प्रत्यय एवं मानसिक पहलू है। इसका सम्बन्ध सामाजिक परिस्थितियों में व्यक्ति के व्यवहार के मानसिक पक्ष से होता है, अतः इसके माध्यम से व्यक्ति विशेष के व्यवहार का अध्ययन सम्भव होता है। मनोवैज्ञानिकों ने अभिवृत्ति को बाह्य व्यवहार का एक महत्वपूर्ण कारक माना है। ये अभिवृत्तियों व्यक्ति के विचारों से अवगत

कराती है। मनोवैज्ञानिकों ने "अभिवृत्ति" शब्द को भिन्न-भिन्न ढंग से परिभाषित किया है जो अग्रलिखित है

बी.वी. अकोलकर (1960) के अनुसार अभिवृत्ति किसी वस्तु या व्यक्ति के विषय में एक विशेष ढंग से सोचने, अनुभव करने और क्रिया करने की तत्परता की दशा हैं।"

रेमर्श, रूमेल एवं गेज के अनुसार-- "अभिवृत्ति अनुभवों के द्वारा व्यवस्थित यह संवेगात्मक प्रवृत्ति है जो किसी मनोवैज्ञानिक पदार्थ या वस्तु के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक रूप से प्रतिक्रिया करती है।"

इस प्रकार **अनुसंधान अभिवृत्ति से आशय उस दृष्टिकोण से है जिसमें कोई अनुसंधान कार्य के प्रति अपनी तत्परता को प्रदर्शित करता है।**

अनुसंधान के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति सफल परियोजना की कुंजी है। इनका गठन मूड, भावनाओं, पूर्वाग्रहों, भय और चिंता के रूप में हो सकता है। अभिवृत्ति जन्मजात प्रवृत्ति नहीं है बल्कि इसे सीखा जाता है।

विद्यालय में अनुसंधान की आवश्यकता

अभिवृत्ति की अवधारणा को अक्सर तीन पहलुओं में विभाजित किया जाता है: संज्ञानात्मक, भावात्मक और व्यवहारिक। अनुसंधान के प्रति एक सकारात्मक अभिवृत्ति के विकास के लिए संज्ञानात्मक पहलू इस तथ्य को संदर्भित करता है कि छात्रों को अनुसंधान करने और उपयोग करने की संभावनाओं को जानने और समझने की आवश्यकता है। भावात्मक पहलू इस तथ्य से संबंधित है कि छात्रों को अनुसंधान के संचालन और उपयोग के

बारे में अच्छा महसूस करने और आनंद लेने की आवश्यकता है। अंत में, व्यवहारिक पहलू तब होता है जब एक छात्र अनुसंधान करने या उपयोग करने का प्रयास करता है, या इसके बारे में अधिक जानने की योजना बनाता है। छात्रों के संज्ञानात्मक, भावात्मक और व्यवहारिक पहलुओं के उनके दृष्टिकोण के प्रभाव पर ध्यान देने के अलावा, शोध करने और उपयोग करने में छात्रों के आत्मविश्वास के विकास को संबोधित करने की भी आवश्यकता है। विद्यार्थियों में निम्नांकित गुणों के विकास के लिए विद्यालय में अनुसन्धान कार्य करने की आवश्यकता है -

1. विद्यार्थियों में खोजी प्रवृत्ति का विकास करना
2. विद्यार्थियों में समस्या समाधान की प्रवृत्ति का विकास करना
3. विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन का विकास करना
4. विद्यार्थियों में तर्क-शक्ति का विकास करना
5. विद्यार्थियों की उपलब्धि स्तर को ऊंचा उठाना
6. विद्यालय की कार्यप्रणाली में सुधार व विकास करना
7. विद्यालय की कार्यप्रणाली को प्रभावशाली बनाना
8. विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना
9. शिक्षक और विद्यार्थियों की कार्य कुशलता का विकास करना
10. शिक्षक और विद्यार्थियों में लोकतान्त्रिक गुणों का विकास करना
11. विद्यालय की पारंपरिक और यांत्रिक वातावरण में परिवर्तन करना

विद्यालय नेतृत्व और विद्यार्थियों की अनुसंधान अभिवृत्ति विकास

विद्यालय नेतृत्व मुख्यतः दो रूप होते है; स्थिति आधारित (प्राचार्य या प्रधानपाठक) और वितरणात्मक (प्रशासनिक टीम और शिक्षक), लेकिन दोनों रूप अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थी के परिणामों से संबंधित हैं|

यूनिसेफ (2001) कहता है कि, खराब नेतृत्व और प्रशासन के तहत, बच्चे राष्ट्रीय परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं और खराब तैयारी के साथ स्कूल छोड़ते हैं, कठिन सामाजिक और आर्थिक वातावरण में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और समाज परिवर्तन में प्रभावी ढंग से योगदान करने की क्षमता की कमी होती है।

उचित नेतृत्व के बिना, जो दूसरों को अपने कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए प्रेरित करता है, विद्यालयों में छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में उच्च उपलब्धि हासिल नहीं की जा सकती है

शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच शोध की संस्कृति विकसित करने के लिए विद्यालय प्रमुख स्कूल में अग्रणी व्यक्तित्व हैं। उनकी नेतृत्व शैली, प्राथमिकता वाले कार्यक्रम, परियोजनाएं और विशेषज्ञता, संस्थागत एवं अकादमिक समस्याओं के समाधान की पहचान करने में, एक उपकरण के रूप में अनुसंधान को संस्थागत बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों के प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक संगठन के लिए अनुसंधान की संस्कृति विकसित करना महत्वपूर्ण है।विद्यालय में अनुसन्धान संस्कृति विकसित करने तथा विद्यार्थियों में अनुसन्धान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास के लिए विद्यालय प्रमुख को इन दो बातों पर ध्यान देने की जरुरत है-

लीडर बाई एक्शन - वे नेतृत्वकर्ता जो बदलाव लेन के लिए कार्य करते हैं एवं अन्य को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं| वे ज्ञान, कौशल और सकारात्मक अभिवृत्तियों के माध्यम से लक्ष्यों के अनुसरण में सभी को साथ लेकर चलते हैं|

लीडरशीप फॉर लर्निंग - यह एक सीखने पर आधारित ढांचा है जिसके मूल में यह विश्वास है कि विद्यार्थी तभी सीखते हैं जब उनसे सम्बंधित अन्य व्यक्ति भी सीखते हैं और अपना विकास करते हैं| इसका सीधा प्रभाव शिक्षा प्रक्रियाओं की गुणवत्ता को बढ़ाता है|

<u>स्वयं प्रयास करें</u> -

- एक ऐसे विद्यालय जहां 'एक रचनात्मक, कौशल-आधारित सीखने का माहौल विकसित करने के लिए हमारे छात्र अपनी क्षमता एवं वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ खोज करने के लिए प्रेरित महसूस करते हैं, उच्च लक्ष्य रखते हैं, दक्षता को प्राप्त करते हैं और अपने समुदाय और समाज के प्रति संवेदनशीलता के साथ जिम्मेदार और देखभाल करने वाले नागरिक बनने के लिए उत्कृष्ट मानसिकता के साथ समग्र रूप से विकसित होते हैं।' के विद्यालय प्रमुख के रूप में आपके विद्यालय में शिक्षण अधिगम/रिसर्च क्रियाकलाप से सम्बंधित चुनौतियों का मूल्यांकन करें -
    1. सबल पक्ष
    2. दुर्बल पक्ष
    3. अवसर
    4. चुनौतियाँ

व्यावहारिक प्रक्रिया

इस वीडियो को देखें -

Engaging Students in Research Methods: How to Utilize Activities & Projects for Skill-Based Learning

Springer Publishing Company

https://youtu.be/3HtHqHwYYjI

विद्यालय नेतृत्व का विद्यार्थियों की अनुसंधान अभिवृत्ति विकास में भूमिका

- एक उदाहरण बने।
- अपने छात्र के लिए एक सकारात्मक सीखने की जगह बनाएँ।
- अपने छात्र को सभी परिदृश्यों के लिए सकारात्मक परिणामों की कल्पना करने में सहायता करें।
- नकारात्मक बातों को दूर करें।
- नकारात्मक सोच के पैटर्न को बदलने में अपने छात्र की मदद करें।
- एक पुरस्कार प्रणाली स्थापित करें जो सकारात्मकता को प्रोत्साहित करे।

विद्यालय नेतृत्व का कार्य

1. शिक्षकों और छात्रों की विशेषज्ञताए ज्ञान और आवश्यक कौशल का निर्माण
2. विचारों को विकसित करने और पोषित करने के लिए अन्वेषण करने की स्वतंत्रता और समय प्रदान करना
3. विविध हितों, विषय ज्ञान और कौशल सेटों के छात्रों और शिक्षकों के समूहों को एक साथ काम करने के लिए एक साथ लाकर बौद्धिक अभिप्रेरणाए जोश तथा उमंग प्रदान करना
4. विकास की मानसिकता को बढ़ावा दें जहां विफलता को सफलता की सीढ़ी के रूप में देखा जाता है

5. छात्रों के अधिगम को बढ़ाने की दिशा में नवाचारों के लिए अनुसमर्थन प्राप्त करने के तरीकों का पता लगाने के लिए शिक्षकोंए अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों के साथ नियमित रूप से बैठकें आयोजित करना
6. विद्यालय के पुस्तकालय को शोध पत्र-पत्रिका,विविध विषयों की पुस्तकों तथा इंटरनेट युक्त कंप्यूटर से समृद्ध करना
7. दृढ़ विषय सीमाओं से मुक्त विचारों के रोमांचक संयोजन की अनुमति देना
8. आलोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान के दृष्टिकोणों का निर्माण करके जांच-आधारित अधिगम को प्रोत्साहित करना
9. विद्यार्थियों को प्रायोजना कार्य के माध्यम से विषय की समझ विकसित करने हेतु प्रेरित करना
10. अनुसंधान कार्य के माध्यम से अवधारणाओंए अनुभवात्मक और व्यावहारिक अधिगम को प्रोत्साहित करके क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान देना
11. छात्रों के विचारों का स्वागत करें और उन्हें स्कूल में पहल करने के लिए प्रोत्साहित करें।
12. आवश्यकतानुसार शैक्षिक भ्रमण का आयोजन करना
13. शिक्षकों के व्यावसायिक विकास हेतु विभिन्न ऑनलाईन/आफलाइन कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना
14. विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित करके छात्रों के दृष्टिकोण और चिंतन के क्षितिज का विस्तार करें।
15. विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में छात्रों को उनकी रुचि के क्षेत्रों में पाठ्यक्रमए ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना
16. अनुसंधान के लिए आवश्यक कौशल और व्यवहार विकसित करना और STEM(science,technology,engineering,mathematics) लैब और ऑनलाइन/डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे अवसर प्रदान करके आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना।

<u>एक अध्ययन</u>

शासकीय प्राथमिक शाला, अमलीडीह, रायपुर के प्रधान पाठक श्री आनंद मसीह ने अपने विद्यालय के कक्षा 5वीं के 40 विद्यार्थियों को लेकर एक सामाजिक सर्वेक्षण कराया |जिसका मुख्य उद्देश्य अमलीडीह के निवासियों के रोजगार के साधन, मासिक आय और कार्य क्षेत्र की दूरी का पता लगाना रहा| इस परियोजना कार्य में 400 व्यक्तियों से आंकड़े संगृहित किए गए| इस कार्य हेतु निम्नानुसार अनुसंधान उपकरण तैयार किया गया -

1. कार्य करने वाले का नाम
2. रोजगार का नाम
3. रोजगार का संक्षिप्त विवरण
4. प्राप्त आय

   दैनिक

   मासिक
5. घर से कार्य क्षेत्र की दूरी

कक्षा 5 वी में अध्ययनरत विद्यार्थी जो 10-11 वर्ष के होते है जिनमे विभिन्न व्यवसाय और रोजगार की समझ लगभग नगण्य होती है| इस परियोजना कार्य के द्वारा बच्चों ने स्वयं आंकड़े एकत्र किए और अपने प्रधान पाठक के मार्गदर्शन में इसे पूर्ण किए|

इस कार्य में निम्नांकित निष्कर्ष निकले -

1. विद्यार्थियों को समाज से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ|
2. विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवसायों के प्रकार, उनकी प्रकृति और होने वाली आय के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त हुई|
3. विद्यार्थियों को को व्यावहारिक और अनौपचारिक ज्ञान प्राप्त हुआ|
4. विद्यार्थियों में पूछताछ कौशल, सम्प्रेषण कौशल, तर्क कौशल तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास हुआ|
5. यह विद्यार्थियों को उनके वास्तविक जीवन के सन्दर्भ में स्वयं को भविष्य के लिए तैयार करने में सहायक है|

- क्या एक विद्यालय प्रमुख के रूप में आपने अपने विद्यालय में इस तरह की कोई गतिविधि का आयोजन किया है?

  अपने अनुभव साझा करें|

अनुसंधान अभिवृत्ति के विकास की योजना

आईये एक प्रारूप के अनुसार अपने विद्यालय के विद्यार्थियों में अनुसंधान अभिवृत्ति के विकास की योजना बनाते है जिसमे अनुसंधान के विभिन्न पहलूओं के आधार पर बच्चों के लिए गतिविधियों के आयोजन एवं सञ्चालन की योजना सम्मिलित है| इसके लिए पाठ्यपुस्तक में दी गयी गतिविधियाँ करवाई जा सकती है|

अनुसंधान अभिवृत्ति के विकास की योजना

(विस्तृत जानकारी के लिए कैथरीन डावसन की पुस्तक 100 Activities for Teaching Research Methods का अध्ययन करें|)

अनुसंधान अभिवृत्ति के विकास की योजना

	किस स्तर के बच्चों के लिए है	प्रस्तावित गतिविधियां	गतिविधि संचालन की जिम्मेदारी	अपेक्षित प्रतिफल	गतिविधि की समय सीमा
खंड 1: सूचना के स्रोतों का पता लगाना और उनका उपयोग करना					
प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों के बीच अंतर करना					
अवलोकन कौशल में सुधार					
पूर्व अनुभव और सीखने का आकलन करना					
पूछताछ कौशल पर विचार करना					
सांख्यिकी, तथ्यों, तर्कों और विचारों को पहचानना					
खंड 2: एक अनुसंधान परियोजना की योजना बनाना					
शोध विषय चुनना					
लक्ष्य और उद्देश्य तैयार करना					
शोध प्रश्न का विकास करना					
शोध परियोजना की रूपरेखा तैयार करना					
अनुसंधान विधियों का चयन					
प्रायिकता नमूनों के बारे में जानना					
शोध प्रस्ताव तैयार करना					
दूसरों के साथ मिलकर काम करना					
खंड 3: अनुसंधान करना					
शोध की वैज्ञानिक प्रक्रिया को समझना					
साक्षात्कार आयोजित करना					
प्रयोगों में गलतियों से बचना					
समूह की गतिशीलता को समझना					
अवलोकन तकनीकों का उपयोग करना					
प्रश्नावली डिजाइन करना					
अनुसंधान के लिए एक उपकरण के रूप में इंटरनेट का उपयोग करना					
खंड 4: डेटा का उपयोग और विश्लेषण					
वैज्ञानिक सामग्री पढ़ना					
डेटा का संकलन और उपयोग					
सांख्यिकी का उपयोग करना					
सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए सॉफ्टवेयर चुनना					

संचालन और वर्गीकरण					
डेटा प्रबंधन को समझना					
गुणात्मक डेटा से निष्कर्ष निकालना					
खंड 5: परिणामों का प्रसार					
आम दर्शकों के सामने प्रस्तुति					
सम्मेलन पत्र प्रस्तुत करना					
शोध प्रबंध की योजना बनाना और लिखना					
खंड 6: नैतिक रूप से कार्य करना					
नैतिक मुद्दों को पहचानना					
कानूनी आवश्यकताओं को समझना					
साहित्यिक चोरी से बचना					
आचार संहिता तैयार करना					
नैतिक अनुमोदन प्रक्रिया के बारे में जानना					
खंड 7: गहन अनुसंधान कौशल विकसित करना					
ज्ञानमीमांसा और सत्तामीमांसा (epistemology and ontology) के बारे में जानना					
कार्यप्रणाली को समझना					
सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य को समझना					
आगमनात्मक और निगमनात्मक रूप से तर्क करना					
तर्कशक्ति की समस्याओं को पहचानना					
परिकल्पना और सिद्धांत					
प्रभावी सिद्धांत की पहचान करना					

कुछ गतिविधियाँ जो पाठ्यपुस्तक में दिए गए है

1. **ग्रंथालय का उपयोग**

   (कक्षा 6 - विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पाठ - हमारी पृथ्वी)

   कृत्रिम उपग्रह के बारे में जानकारी एकत्र करें -

   कृत्रिम उपग्रहों के नाम, छोड़ने वाले देश का नाम, अंतरिक्ष में प्रक्षेपण तिथि, उद्देश्य और चित्र

2. **अवलोकन क्षमता का विकास**

   (कक्षा 5-पर्यावरण, पाठ- बीजों का सफरनामा)

   अपने आसपास पाए जाने वाले बीजों को एकत्र कर निम्नानुसार अवलोकन करे -

   बीजों के नाम, रंग, आकार, सतह (कठोर/नरम), उपयोग

3. **मापन**

   (कक्षा 6 - विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पाठ - हमारी पृथ्वी)

   मोहल्ले में नल की टोंटी ख़राब हो जाने से होने वाले जल के अपव्यय का अध्ययन करना तथा जल के अपव्यय को रोकने हेतु सुझाव देना|

4. **आंकड़ों की समझ**

   (कक्षा 4- गणित, पाठ - आंकड़ों का निरूपण)

   कक्षा के सभी दोस्तों के हाथ की कलाई के बराबर कागज़ की पतली पट्टी काटकर क्रम से चिपकाएँ और उनका तुलनात्मक अध्ययन करें|

5. **सर्वेक्षण करना**

   (कक्षा 10 - सामाजिक विज्ञान, पाठ - उपभोक्ता के अधिकार, ncert)

   समस्या- आम लोगों में उपभोक्ता के रूप में जागरूकता का अध्ययन करना|

6. **चिंतन एवं तर्क**

   (कक्षा 10- हिंदी, पाठ- छत्तीसगढ़ की लोक कलाएं)

   हरियाली पर्व के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व का अध्ययन करना|

   (कक्षा 9- सामाजिक विज्ञान, पाठ- औद्योगिक क्रांति और सामाजिक बदलाव)

   17वी से लेकर वर्तमान तक उद्योगों को चलने के लिए ऊर्जा के स्त्रोतों में हुए परिवर्तन का अध्ययन|

ये गतिविधियाँ छ.ग. पाठ्यपुस्तक निगम से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ के शासकीय विद्यालयों में चलने वाले पाठ्यपुस्तकों से लिए गए हैं|

चिन्तनशील प्रश्न

1. विद्यार्थियों के किसी समूह को किस प्रकार की अवधारणाएं परियोजना कार्य के रूप में दी जा सकती है?

सारांश

विद्यार्थियों में अनुसंधान अभिवृत्ति विकसित करने में विद्यालय प्रमुख की भूमिका

प्रस्तावना

अनुसंधान ज्ञान, सृजन और नवाचार की नींव है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने और स्कूल में निरंतर सुधार में सुधारों में से एक शोध करना है। विद्यालय में अनुसंधान संस्कृति को विकसित करने में विद्यालय प्रमुख की महती भूमिका है जो स्वयं, अपने शिक्षकों और विद्यार्थियों को अनुसंधान की ओर प्रवृत्त और प्रेरित करता है|

उद्देश्य

1. विद्यालयों में अनुसंधान संस्कृति का विकास करना |
2. विद्यार्थियों में सकारात्मक अनुसंधान अभिवृत्ति का विकास करना |
3. विद्यालय में अनुसंधान संस्कृति विकसित करने के लिए रणनीति बनाना |
4. विद्यार्थियों को नए ज्ञान के सृजन के लिए प्रोत्साहित करना|
5. विद्यार्थियों में प्रयोग,खोज आधारित अधिगम,स्वयं करके सीखना की शैली का विकास करना|
6. अनुसन्धान के सन्दर्भों और चुनौतियों को केंद्र में रखकर विद्यालय विकास योजना बनाना

परिचय

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अनुसंधान मूलक शिक्षा की आवश्यकता हेतु प्रावधान
- अनुसंधान का अर्थ
- अनुसंधान प्रक्रिया के चरण
- अनुसंधान अभिवृत्ति का अर्थ

विद्यालय में अनुसंधान की आवश्यकता

विद्यालय नेतृत्व और विद्यार्थियों की अनुसंधान अभिवृत्ति विकास

- विद्यालय नेतृत्व का विद्यार्थियों की अनुसंधान अभिवृत्ति विकास में भूमिका
- विद्यालय नेतृत्व का कार्य

अनुसंधान अभिवृत्ति के विकास की योजना बनाना

प्रदत्त कार्य (Assignments)

1. **लीडरशीप फॉर लर्निंग** एक सीखने पर आधारित ढांचा है| इसके मूल में यह विश्वास है कि विद्यार्थी तभी सीखते है जब उनसे सम्बंधित एनी व्यक्ति भी सीखते हैं और अपना विकास करते है|(निष्ठा2.0 सेकंडरी)
   इस कथन के आधार पर सीखने के लिए नेतृत्व पर एक रूपरेखा बनाये|
2. अपने विद्यालय के किसी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए अनुसंधान की किसी एक अवधारणा को लेकर गतिविधि की योजना बनाये|

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1 Bryan M. Gallos; Holy Child Catholic School, Inc; Senior High School Students' Attitudes towards Research

2 CERILINA A. MANALO/ Principal-I –Matipok ES, Calaca District; THE ROLE OF SCHOOL HEAD IN DEVELOPING THE CULTURE OF RESEARCH IN CALACA DISTRICT

3 Dawson Catherine; 100 Activities for Teaching Research Methods,FIRST EDITION https://uk.sagepub.com/en-gb/eur/author/catherine-dawson

4 MARK JOSHUA D. ROXAS, LPT; University of Perpetual Help – Molino Cavite, Philippines; ATTITUDES OF SENIOR HIGH SCHOOL STUDENTS TOWARDS RESEARCH:AN EXPLORATORY STUDY

5 Morris Kathleen; 50 Mini-Lessons For Teaching Student' s Research Skill s http://www.kathleenamorris.com/2019/02/26/research-lessons

6 National Education Policy 2020

7 Netragaonkar D Dr Yashpal; ATTITUDE OF STUDENTS TOWARDS RESEARCH, Academia.edu.doc

8 SELESTIN NDYALI HELENA; OPEN UNIVERSITY OF TANZANIA 2013; THE ROLE OF SCHOOL HEAD IN ENHANCING STUDENTS' ACADEMIC PERFORMANCE IN COMMUNITY SECONDARY SCHOOLS IN MBEYA URBAN

9 Trinity college dublin; Head of School - Role and Responsibilities; https://www.tcd.ie/Secretary/academic-governance/head-of-school.php

10 Turner David (2020); School Leader as Researcher